JAGRAN CITY PAGE II

एलएलबी दाखिले के लिए काउंसलिंग आज

जारी, लखनऊ : डीएवी डिग्री कालेज में तीन बार मेरिट जारी होने के बाद भी सीटें खाली हैं। अब इन सीटों पर चौथी मेरिट जारी कर दी गई। अभ्यर्थी कालेज की वेबसाइट www.davdegreelu.in के माध्यम से अपना नाम देख सकते हैं। जिनका नाम सूची में है, उनकी काउंसलिंग एक नवंबर को सुबह 10 से दोपहर दो बजे तक होगी।

कालेज के प्राचार्य डा. राजीव त्रिपाठी ने बताया कि एलएलबी कोर्स में अब 16 सीटें खाली हैं, जिसमें छह सामान्य, पांच एससी और पांच ईडब्ल्यूएस वर्ग की हैं। ईडब्ल्यूएस वर्ग में कोई भी अभ्यर्थी नहीं है। बाकी सीटों पर चौथी कटआफ जारी कर दी गई है। चयनित अभ्यर्थी एक नवंबर को काउंसलिंग कराकर शैक्षिक अभिलेखों का सत्यापन और फीस जमा करके प्रवेश ले सकते हैं।

परीक्षा समिति की बैठक में आज होंगे कई फैसले

जारी, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में एक नवंबर को शाम चार बजे से परीक्षा समिति की बैठक बुलाई गई है। समिति के सदस्यों को इसका एजेंडा भेज दिया गया है। इसमें सत्र 2021-22 की विषम सेमेस्टर दिसंबर 2021 की परीक्षा की तिथि घोषित करने, कोविड की वजह से परीक्षा में प्रोन्नत किए गए छात्रों को अंक सुधार के लिए मौका देने, उसका परीक्षा शुल्क, प्रश्न पत्रों की संख्या तय करने पर निर्णय लिया जाएगा।

कुछ विदेशी छात्रों के बैक पेपर आने से उनका परीक्षाफल अधूरा होने से पाठ्यक्रम नहीं पूरा हुआ है। साथ ही, उनकी वीजा अवधि भी समाप्त हो रही है। ऐसे में उनकी परीक्षा कराए जाने का प्रस्ताव भी बैठक में रखा जाएगा। दीक्षा समारोह की तिथि पर भी चर्चा होने की संभावना है।

लवि के मालवीय सभागार में 'स्वतंत्रता संग्राम और हिंदी पत्रकारिता' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

'शस्त्र और शस्त्रशाला दोनों थी पत्रकारिता'

जारी, लखनऊ : दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर कुमुद शर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता की लड़ाई के दौरान पत्रकारों और वकीलों की भूमिका महत्वपूर्ण थी। जो पत्रकार और उनके समाचार पत्र थे, वो जनता के प्रतिनिधि होने के साथ ही गूंगी जनता के मुखर वकील की भूमिका में भी थे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पत्रकारिता स्वाधीनता के लिए शस्त्र भी थी और शस्त्रशाला भी। रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के अंतिम दिन स्वतंत्रता संग्राम और हिंदी पत्रकारिता के विभिन्न पक्ष उजागर हुए। आजादी का अमृत महोत्सव शृंखला के अंतर्गत लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग और उप्र हिंदी संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजन हुआ।

लवि के मालवीय सभागार में आयोजित संगोष्ठी में मंचासीन (बाएं से) डा. विद्याविंदु सिंह, डा. कुमुद शर्मा, दैनिक जागरण के एसोसिएट एडिटर अनंत विजय व अन्य ● जागरण

प्रो. कुमुद शर्मा ने कहा कि पत्रकारिता के साथ राष्ट्रीय जागरण का जो इतिहास है, उसने सबसे बड़ा मूल्य स्वाधीनता का दिया है। उसने ये बता दिया कि स्वतंत्रता मात्र एक मनोभाव, विचार या नारा नहीं है, बल्कि वो जीवन जीने की बुनियादी शर्त है। ये इतना बड़ा मूल्य है कि उसके लिए आप प्राणों की बाजी भी लगा सकते हैं, कुछ भी गंवा सकते हैं। पत्रकारिता ने हमें वह मूल्य दिया है।

दैनिक जागरण के एसोसिएट एडिटर अनंत विजय ने कहा कि 1857 से लेकर 1947 के दौर के जो पत्रकार थे, वे सब लोग विद्वान नहीं थे, वे विद्यावान थे। पत्रकार को विद्वान होना भी नहीं चाहिए, उसे विद्यावान होना चाहिए। जो हमारी पत्रकारिता की परंपरा रही है, वह विद्यावान पत्रकारों की रही है। विद्वान में थोड़ा सा प्रभुता बोध होता है, जबकि विद्यावान में विनम्रता। जब आप विनम्र होते हैं तो लक्ष्य की ओर बढ़ने के दौरान बहुत बाधाएं नहीं आती हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता एक ऐसा पेशा है, जिसमें हम काल विशेष के आधार पर उसका मूल्यांकन कर सकते हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. रमेश चंद्र त्रिपाठी ने कहा कि पत्रकारिता आधुनिक जीवन का विश्वकोष बन गई है। उन्होंने बताया कि माखनलाल चतुर्वेदी स्वतंत्रता आंदोलन के लिए कई नारे देते हैं और संपादकीय लेखन की कला भी सिखाते हैं। उत्तर प्रदेश से कुल 42 ऐसे पत्र थे, जो असहयोग आंदोलन के समर्थन में निकले। उन्होंने चांद पत्रिका और रामरख सिंह सहगल के महत्व को बताया एवं तमाम पत्र-पत्रिकाओं और पत्रकारों पर तथ्यपरक बातें करते हुए आजादी के आंदोलन में उनकी भूमिका समझायी। बाबा साहब आंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. गोविंद पांडेय ने कहा कि लोगों के लिए काम करना पत्रकारिता का महत्वपूर्ण कार्य है।

उन्होंने स्वदेश, स्वराज आदि पत्रिकाओं के माध्यम से तत्कालीन क्रांतिकारी पत्रकारिता पर बात की और कहा कि उस समय की पत्रकारिता उद्देश्य और मूल्यपरक थी। हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. योगेंद्र प्रताप सिंह ने सभी सत्रों के वक्ताओं तथा आयोजन में शामिल श्रोताओं को धन्यवाद कहा। सत्र का संचालन हिंदी विभाग की प्रो. श्रुति और प्रो. अलका पांडेय ने किया।

लोक साहित्य में नैसर्गिक संवेदना संग विरोध और आक्रोश भी

दूसरे सत्र में स्वातंत्रता संग्राम में लोक कवि-कलाकारों की भूमिका विषय पर वरिष्ठ साहित्यकार डा. विद्याविंदु सिंह ने कहा कि नवजागरण की चेतना जगाने में लोक साहित्य का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। लोक साहित्य में नैसर्गिक संवेदना के साथ विरोध और आक्रोश का स्वर भी है। उसमें फिरंगी शासकों का विरोध प्रचुर है। सुराजी गीत गाए जाते थे, जिसमें नरम एवं गरम दल दोनों का बखान किया गया है। स्वराज और चरखे ने लोकगीतों में राष्ट्रीय बोध तथा स्वावलंबन का स्वर भरा। शिवोहाबाद के जेएस विश्वविद्यालय के प्रो. हरिमोहन ने कहा कि अनाम लोक साहित्य लेखन के साथ परिहारीजन को आजादी की लड़ाई के लिए प्रेरित करने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के डा. बहादुर सिंह परमार ने कहा कि लोकत्व हमें राष्ट्रत्व से जोड़ता है। स्वाधीनता आंदोलन के दौरान गाए जाने वाले लोकगीतों में जनता पर अंग्रेजों द्वारा क्रूर अत्याचार का वर्णन किया गया है तथा भग्गी राव, मर्दन सिंह और सीला देवी जैसे लोक के नायक-नायिकाओं द्वारा उनका प्रतिरोध भी दर्ज किया गया है।

NBT PAGE 3

7 पीजी कोर्सों में आज भी जमा होगी फीस

■ एनबीटी, लखनऊः एलयू ने सात पीजी कोर्सों में दाखिले के लिए फीस जमा करने की तारीख बढ़ा दी है। एमए गणित, एमएससी गणित, फरेंसिक साइंस, फूड टेक्नॉलोजी, फूड प्रॉसेसिंग, एमजीएमसी और स्टैटिस्टिक्स में दाखिले के लिए चुने गए स्टूडेंट सोमवार तक फीस जमा कर सकेंगे। वहीं, एमबीए और एमपीएड और बीपीएड में तीन नवंबर तक फीस जमा होगी। एलयू के प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि अभ्यर्थी अपनी लाग-इन आईडी से ऑनलाइन फीस जमा कर सकेंगे।

HINDUSTAN PAGE 6

पीजी में दाखिले का आज अंतिम दिन

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में पीजी पाठ्यक्रमों के लिए दाखिलों की दौड़ अब अंतिम चरण में है। कई विषयों में दाखिले के बाद बची हुई सीटों के लिए सेकंड एलॉटमेंट जारी किया गया था, जिनके लिए फीस जमा करने का मौका पहले रविवार तक ही था लेकिन अब इसे बढ़ाकर सोमवार तक कर दिया गया है।

बता दें कि लगभग 30 पीजी पाठ्यक्रमों में पहले राउंड के सीट एलॉटमेंट के बाद बची हुई सीटों के लिए एलॉटमेंट व अपग्रेडेशन 29 अक्टूबर से अभ्यर्थियों के लॉगइन पर उपलब्ध करा दिया गया है। इनमें जिन अभ्यर्थियों को सीट एलॉट हुई थी, उन्हें पहले रविवार तक फीस जमा करनी थी लेकिन अब उनके पास सोमवार तक का मौका है।

इसके अलावा एमए मैथ्स, एमएससी मैथ्स, फोरेंसिक साइंस, फूड टेक्नोलॉजी एंड फूड प्रोसेसिंग, एमजेएमसी, एमए स्टैटिक्स, एमएससी स्टैटिक्स विषयों में सीट एलॉटमेंट 27 अक्टूबर को जारी किया गया था। इनमें पहली कटऑफ भी रविवार को जारी कर दी गई है। इनमें दाखिले के लिए भी अभ्यर्थियों को सोमवार को फीस जमा करनी होगी।

बीपीएड, एमपीएड, एमबीए में तीन तक जमा करें फीस

लखनऊ विश्वविद्यालय के बीपीएड, एमपीएड और एमबीए पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए प्रोविजनल मेरिट सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in के एडमिशन पेज के पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम में जारी कर दी गई थी। इनमें उपलब्ध सीटों के सापेक्ष मेरिट और अभ्यर्थी द्वारा दिए गए कॉलेज विकल्पों के अनुसार सीट आवंटन कर दिया गया है। आवंटन की पूरी सूचना अभ्यर्थी के लॉग-इन पर सोमवार से उपलब्ध होगी। इनमें चयनित अभ्यर्थियों को बुधवार तक अपने लॉग-इन से ऑनलाइन फीस जमा करनी है।

i-NEXT PAGE 5

एमबीए, बीपीएड में हुआ सीट आवंटन

तीन नवंबर तक अभ्यर्थी जमा कर सकेंगे फीस

LUCKNOW (31 Oct): लखनऊ विश्वविद्यालय ने एमबीए, बीपीएड और एमपीएड पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए मेरिट और अभ्यर्थियों के दिए गए विकल्प के अनुसार रविवार को सीट आवंटन कर दिया. अभ्यर्थी एक नवंबर से आवंटन अपनी लागइन पर देख सकेंगे. प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों को सीट मिल गई है, वह अपनी फीस लागइन के माध्यम से तीन नवंबर तक आनलाइन जमा कर सकेंगे.

फीस जमा करने की तिथि बढ़ी

लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक के सात विषयों में फीस जमा करने की तिथि एक दिन बढ़ाकर एक नवंबर कर दी है. प्रथम आवंटन के बाद बची सीटों के सापेक्ष एमए मैथमैटिक्स, एमएससी मैथमैटिक्स, फारेंसिक साइंस, फूड टेक्नोलाजी एंड फूड प्रासेसिंग, एमजेएमसी, एमए साख्यिकी और एमएससी सांख्यिकी में दूसरे आवंटन के बाद जिन्हें सीट मिली है, उन्हें एक नवंबर तक फीस जमा करने का मौका दिया गया है. स्टूडेंट्स निर्धारित तिथि तक अपनी फीस जमा कर दें.

3 तक जमा करनी है फीस.

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि छात्र आज भी जमा कर सकेंगे फीस

अमृत विचार लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय में परास्नातक पाठ्यक्रमों प्रवेश के लिए चल रही प्रक्रिया के तहत छात्रों को फीस जमा करने के लिए एक दिन का और मौका दिया गया है। ऐसे में छात्र अब सोमवार तक फीस जमा कर सकेंगे।

प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि 30 पीजी पाठ्यक्रमों में पहले चरण के सीट निर्धारण के बाद बची हुई सीटों पर प्रवेश के लिए मौका दिया गया था। इनमें जिन अभ्यर्थियों को सीट निर्धारित हुई थी, उन्हें पहले रविवार तक फीस जमा करनी थी लेकिन अब उनके पास सोमवार तक का मौका है।

तीन तक जमा करें फीस

विवि के बीपीएड, एमपीएड और एमबीए पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए मेरिट सूची वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर अपलोड है। इनमें उपलब्ध सीटों के सापेक्ष मेरिट और अभ्यर्थी द्वारा दिए गए कॉलेज विकल्पों के अनुसार सीट आवंटन कर दिया गया है। आवंटन की पूरी सूचना अभ्यर्थी के लॉग-इन पर सोमवार से उपलब्ध होगी। चयनित अभ्यर्थियों को बुधवार तक ऑनलाइन फीस जमा करनी है।

TOI PAGE 3

Decision on exam dates today

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University is expected to conduct examinations of students enrolled in undergraduate semesters III and V by December end, while that of semester I will be held in February.

The final decision in this regard will be taken by the examination committee at a meeting on Monday.

According to LU officials, despite the delay in commencement of the session due to the Covid-19 pandemic, examination of semester III and V will be conducted almost on time. For this purpose, they added, extra classes are being conducted.

The decision has been taken to put the session on the rails. "Barring the classes of the semester I, teaching of other semesters had begun from August 16. The syllabus in most of the departments is nearing completion. As a result, we are planning to hold semester examinations except for semester I as early as possible. The final decision will be taken in the examination committee meeting on Monday," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.